consideration, that the views of the State Governments have been called for and that the task force has been set up

SHRI KAMAL MORARKA. The task force is under his Ministry.

MR. CHAIRMAN: Everything may be under his Ministry You cannot put every question here He is not Encyclopaedia Britannica

श्री कमल मोरारका: सवाल एडमिट करने का क्या फायदा। जवाब में कोई इन्फर्मेशन नहीं दे रहे हैं। खाली कह रहे हैं कि रिपोर्ट सदन के पटल पर रख दी गई है पढ़ लीजिये। लाइब्रेरी में पढ़ लेंगे तो इनकी क्या जरूरत है।

श्री सभापति : उन्होंने यह बताया कि राज्यो को लिखा गया है। राज्यों से रिपोर्ट .

श्री कमल मोरारका : यानी मोहसिना किदवई जी नहीं हैं तो हमको कोई जवाब नहीं मिलेगा।

Merger of NREP with IRDP

*223. SHRI MOHINDER SINGH LATHER Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government proppose to merge National Rural Employment Programme with Integrated Rural Development Programme (IRDP) for better implementation; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BHAJAN LAL): (a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: महोदय, अभी-अभी सरकार शहर के मामले में चिन्त हो गई। अब मैं गाव की बात करता हूं। महात्मा गाधी ने कहा था कि भारत गांवों में बसता है क्योंकि 80 फीसदी लोग हमारे गांवों के गांवों में रहते हैं। चेयरमैन आज 41 साल आजादी के हो गये और अब 42वां साल चल रहा है लेकिन आज भी हमारे गांवो की हालत बहुत दयनीय है। वहां पर बेरोजगारी है, बेकारी है, गांवों में धूल उड़ती है। कोई तरक्की का काम वहां पर सरकार ने अभी तक नहीं किया है। चेयरमैन महोदय, सरकार ने गांव वालों को सिर्फ प्रोग्राम दिये हैं।

श्री सभापति: आप प्रश्न करिये।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: मैं प्रश्न कर रहा हूं। एन्टीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम, नेशनल रूरल इम्पलाईमेंट प्रोग्राम, रूरल लैंड लेस इम्पलाईमेंट गारटी प्रोग्राम, ट्रेनिंग एड रूरल यूथ सेल्फ-इम्पलाईमेंट और अभी इस बजट के अन्दर सरकार एक नया प्रोग्राम देने जा रही है क्योंकि इलेक्शन एयर है, इंसेटिव इम्पलाईमेंट प्रोग्राम। मैं पुछना चाहता हूं कि इन प्रोग्रामों के माध्यम से सरकार ने गाव वालों को क्या दिया? मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि इन प्रोग्रामों को एन्टीग्रेटेड करके, उनका मर्जर करके गाव वालों के लिये गवर्नमेंट क्या ठोस कदम उठाने जा रही है?

श्री सभापति: आपने प्रोग्रामों में क्या-क्या किया, कितना रुपया कितने आदमियों को दिया यह बता दीजिये।

श्री भजन लाल: सभापति महोदय, लाठर साहब ने दो-तीन बातें ऐसी कहीं जो इससे ताल्लुक नहीं रखतीं। इन्होंने कहा कि गाधी जी ने यह कहा था। आज देश में यह नहीं होना चाहिये, यह होना चाहिये। गांधी जी ने जो कहा भारत सरकार उस पर शुरु से लगी हुई है और सरकार ने देश में बहुत काम किया है। जहां तक लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठाने का ताल्लुक है देश में 4 करोड़ 43 लाख परिवार ऐसे थे जो गरीबी की रेखा से नीचे थे, 1983-84 के सर्वे के मुताबिक। उसमें से 2 करोड़ 10 लाख परिवारों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठाने का भारत सरकार ने काम किया। बाकियों के लिये हम लगे हुए हैं। सभापति महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि 10 हजार करोड़ रुपये हमने 1980 से लेकर अब तक इस प्रोग्राम पर खर्च किये हैं और पिछले एक साल में, जो साल चालू है, उसमें 2 हजार करोड़ रुपये हम इन लोगों पर खर्च करने जा रहे हैं ताकि इन लोगों की हालत को सुधारा जा सके। हम उनकी हालत सुधारने के लिये अनेको स्कीम बनाते हैं, कार्यक्रम देते हैं। लेकिन एक बात मुझे बहुत अफसोस के साथ कहनी पड़ती है, लाठर साहब इसको महसूस न करें, मिसाल के तौर पर हरियाणा के बारे में मैं बताना चाहता हू।

श्री सभापति: घर वापिस आ गये।

श्री भजन लाल: सभापति महोदय, मैं इनको बताना चाहता हूं कि हमने कितना पैसा दिया और कितना इन्होंने खर्च किया। भारत सरकार पैसा देती है **(व्यवधान)** हमारे पर इलज़ाम लगाते रहते हैं हरियाणा वाले कहते हैं भारत सरकार **(व्यवधान)**

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: सभापति जी, भजन लाल जी हरियाणा से केन्द्र में आ गये हैं केन्द्र महत्वपूर्ण है हरियाणा की चिन्ता छोडो **(व्यवधान)**

श्री सभापति: चिन्ता ही छोड दो **(व्यवधान)** हरियाणा भारत का हिस्सा है कैसे चिन्ता छोड़ दें। **(व्यवधान)**

श्री भजन लाल: अटल जी, हरियाणा की चिन्ता तो हमने आप पर छोड़ दी है। क्योंकि बी०जे०पी० चला रही है, अच्छी बात है चलाइये, हमें कोई तकलीफ नहीं है। लेकिन यहां से भारत सरकार से जो पैसा जाए उसका इस्तेमाल ठीक नहीं हो तो यह अच्छी बात नहीं है। उसकी चर्चा करने का हमारा अधिकार है कहने का अधिकार है चाहे वह हरियाणा हो, उत्तर प्रदेश हो, कोई भी स्टेट हो सकती है चाहे वहा पर काग्रेस पार्टी की सरकार हो या गैर काग्रेसी सरकार हो। लेकिन मैं यह इसलिए कह रहा हू कि लाठर साहब हरियाणा से ताल्लुक रखते हैं। आप पूछें मध्य प्रदेश की बात, दिल्ली की बात मैं कह सकता हू। सभापति जी, हमारे ऊपर इलज़ाम लगाते रहते हैं मैं यह बताना चाहता हूं कि हमने एन०आर०ई०पी० में जब से हरियाणा की नयी सरकार बनी है, चौधरी देवी लाल मुख्य मन्त्री बने हैं कितना पैसा दिया है? जब मैं मुख्य मन्त्री था, हमने 1985 में पांच करोड़ रुपये रखे 1986-87 में जब बंसी लाल जी आ गये तो 5 करोड 77 लाख रुपये दिये। 1987-88 में जब स इनकी पार्टी की सरकार बनी है हमने 9 करोड़ 18 लाख दिये और 1988-89 में 10 करोड़ 23 लाख रुपये दिये। लेकिन खर्च इन्होंने क्या किया यह भी देख लीजिये। 10 करोड़ में से इन्होंने 6 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। 1987-88 में 9 करोड में से 7 करोड़ 95 लाख रुपये खर्च किये **(व्यवधान)** मैं इतना कहना चाहता हूं कि जो पैसा भारत सरकार दे उसका 60 से 80 परसेंट तक खर्च करें **(व्यवधान)**

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: सोच समझ कर के खर्च करते हैं, अनाप-शनाप खर्च नहीं करते हैं इसके लिए तो आपको इनको धन्यवाद देना चाहिये।

श्री भजन लाल: कोई अनाप-शनाप का सवाल नहीं है। अटल जी, अच्छी बात है आप उनके अच्छे वकील रहो ताकि थोड़ा-सा मामला ठीक हो जाए। हम तो यह चाहते हैं कि दोनों का कल्याण हो जाए कोई झगड़ा नहीं हो तो अच्छा है। यह तो अच्छी बात है।

श्री सभापति: हरियाणा का कल्याण हो बस।

श्री भजन लाल: पंजाब में जैसे इनका कल्याण हो गया अब हरियाणा में भी हो जाएगा। चिन्ता करने की कोई बात नहीं है। अच्छी बात है, कल्याण की बात है सारी। मेरा तात्पर्य यह है कि इन्होंने जो सवाल पूछा मर्जर का इनका मकसद तो कुछ दूसरा ही था लेकिन लिख दिया दूसरा क्योंकि इसके बारे में इनको जानकारी नहीं है। इन्होंने लिख दिया आई०आर०डी०पी० लेकिन मर्जर का सवाल है एन०आर०ई०पी० और आर०ए०ल०ई०जी०पी० का लेकिन पूछ गये आई०आर०डी०पी० का। मर्ज करने का सवाल उनका है उनको हम मर्ज करने जा रहे हैं। मर्ज करके लोगों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार देने की बात है जो फायनेंस मिनिस्टर और प्रधानमन्त्री जी ने कहा है। उसको हम कार्यान्वित करने जा रहे हैं। इसके लिए पाच सौ करोड़ रुपये अलग से रखे गये हैं ताकि हम एक परिवार में से कम से कम एक व्यक्ति को रोजगार दे दें। ऐसी हमारी योजना आने वाले साल में है।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: चेयरमैन साहब, मुझे बहुत खुशी है कि भजन लाल जी ने हरियाणा की बात की क्योंकि उनको 24 घंटे हरियाणा नजर आता है **(व्यवधान)** कांग्रेस वालों को चौधरी देवी लाल की जो इमेज है जो उनका स्टेटस है उससे कपकपी छूटती है क्योंकि उनको इलेक्शन नज़र आ रहे हैं। **(व्यवधान)** मैं इनको याद कराऊगा कि प्रधानमन्त्री जी जब इलेक्शन से पहले हरियाणा में गये थे उन्होंने पलवल के मुकाम पर हरियाणा को चार सौ करोड़ की ग्रांट देने का एलान किया था ताकि वह इलेक्शन के अन्दर काग्रेस के लिए वोट ले सकें लेकिन जब उनका इलेक्शन में सफाया हो गया तो चार सौ करोड़ में से एक पैसा भी हरियाणा को नहीं दिया गया **(व्यवधान)** हरियाणा सरकार ने जो काम किया है वह दि दुगनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है। **(व्यवधान)**

श्री एन० के० पी० साल्वे: बहुत सोच समझ कर पैसा देते हैं यह देख कर पैसा देते हैं कि कहा पैसे का उपयोग हो सकता है **(व्यवधान)**

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: मुझे खेद है कि एक केबीनेट रैंक के मन्त्री सवाल से हट कर छोटी-सी सियासी बात की तरफ पहुंच गये। लेकिन मैं यह विश्वास दिला दूं उनको कि उनके लिए अब हरियाणा में कोई जगह नहीं है। इस सवाल पर मैं दूसरा सप्लीमेंटरी प्रश्न पूछना चाहता हूं। मैं भी शहर का रहने वाला हूं। गांव का रहने वाला नहीं हूं। मेरे दो लड़के हैं, एक इंजीनियर बन चुका है और दूसरा बम्बई में पढ़ रहा है। मैं, चेयरमैन महोदय, यह बताना चाहता हूं कि जो देहात के लोग हैं...(व्यवधान)

श्री सभापति: आपको क्या ऐतराज है। उनके लड़के बम्बई में हैं तो आपको क्या ऐतराज है?

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: मैं अपना सवाल पूछ रहा हूं...(व्यवधान)

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव: आप भाषण कर रहे हैं या सवाल पूछ रहे हैं...(व्यवधान) ये हरियाणे पर भाषण कर रहे हैं This is not a relevant question.

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: Sir, allow me to put my supplementary.

श्री रऊफ वलीउल्लाह: हमने इनका बायोडेटा पढ़ लिया है...(व्यवधान)

श्री भजन लाल: मुझे जवाब देने दें।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: मैं यह कह रहा था कि जो गांव के लोग हैं, जो गांव के बच्चे हैं वे शहर के बच्चों का मुकाबला नहीं कर सकते। जो पढ़ाई, जो माहौल मेरे बच्चों का या शहर के बच्चों का है, जो बहुत अच्छे खाते पीते लोग हैं, तो गांव के लोग उनका मुकाबला किसी इम्तिहान में किसी नौकरी में नहीं कर सकते हैं। मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि इस डिसपैरिटी को दूर करने के लिए क्या सरकार सरकारी नौकरियों में से 80 फ़ीसदी देहातियों के लिए रिजर्व करेगी?

श्री सभापति: यह इनके हाथ में नहीं है।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: क्या ये डिसपैरिटी को दूर नहीं कर सकते हैं।

श्री सभापति: यह तो जनरल एडमिनिस्ट्रेशन का सवाल है।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: वे पार्टी की बात कर रहे हैं...(व्यवधान)

श्री सभापति: भजन लाल जी इसका कैसे जवाब देंगे?

श्री भजन लाल: महोदय, इन्होंने दो तीन बातें कहीं। एक तो इन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री ने चार सौ करोड़ की घोषणा की थी और वह पैसा हरियाणा गवर्नमेंट को नहीं दिया। चार सौ करोड़ नहीं चार सौ तीस करोड़ हरियाणा गवर्नमेंट को गया है भारत सरकार की तरफ से, मैं आपको बताना चाहता हूं। यह आपके ध्यान में होना चाहिए। यह बेबुनियाद इल्जाम लगाना मुनासिब बात नहीं है।

दूसरा इन्होंने देवीलाल की इमेज के बारे में कहा, तो मैंने देवीलाल की इमेज के बारे में कुछ नहीं कहा। आपने कहा कि देवीलाल के मुकाबले में हमारे पास कोई लीडर नहीं है। अब मैं क्या कह सकता हूं। आप अच्छी तरह से जानते हैं। मैं कोई सियासी बात नहीं कहना चाहता था, मगर अब कहना पड़ेगा, क्योंकि आप उनके दामाद हैं, आपको यही बात कहनी चाहिए...(व्यवधान) लेकिन आपने देवीलाल के और भजन लाल के आंकड़े देखे होंगे। 1972 में देवीलाल को साढ़े 11 हजार वोटों से भजन लाल ने हराया था, 1979 में चैलेंज देकर मुख्य मंत्री भजन लाल वहां पर बने, 82 में फिर बने और आज भी चैलेंज करता हूं देवीलाल को, भजन लाल के मुकाबले में इलैक्शन लड़ लें मैं रेडी बैठा हूं और फिर बता देंगे कि क्या हाल है देवीलाल का। आप इलैक्शन लड़ लें, अगर आज हरियाणा में विधान सभा की 10 सीटें भी आ जायें, 10 सीटें भी देवीलाल की हरियाणा में आ जायें तो मुझे कहना कि आप क्या बात कह रहे हो।

एक माननीय सदस्य: यह सप्लीमेंटरी का जवाब है?

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: मेरे सवाल का जवाब इन्होंने नहीं दिया। पार्टी लाइन का जवाब इन्होंने नहीं दिया कि जो देहात के लोग हैं...(व्यवधान)

श्री भजन लाल: सभापति महोदय, जैसा सवाल करेंगे, वैसा ही जवाब देना पड़ेगा। अगर जवाब नहीं देंगे तो कहेंगे कि मंत्री ठीक नहीं है।

श्री सभापति: ए. जी. कुलकर्णी

डा. रत्नाकर पाण्डेय: देवीलाल के दामाद हैं।

श्री सभापति: आप भी किसी के दामाद होंगे, क्यों परेशान हो रहे हो...(व्यवधान) सिर्फ हमारे अटल बिहारी जी अभी किसी के दामाद नहीं बने हैं...(व्यवधान)

श्री रफीक बलीउल्लाह: अब तो राज्य सभा के रिकार्ड में भी आ जायेगा...(व्यवधान)

SHRI A. G. KULKARNI: The question says "Whether National Rular Employment Programme will be merged with Intetrated Rural Development Programme." In the new budget it is called as "Jawahar Rozgar Yojana". Sir, ample money has been provided for this scheme, that is, Rs. 1600 crores plus Rs. 500 crores. So looking to the massive amount to be invested in the Rural Employment Programme to remove the poverty is the Minister aware that an evaluation report has been drawn up by the Rural Development Department and there it seems, Sir, that there are many leakages which the "Times of India's" report says? An evaluation has been done by an economist independently also. Now, when we are investing massive amount, in this connection, I want to ask three or four questions...

श्री सभापति: आप तीन-चार क्वश्चन मत पूछिये, "बी", "बी", "सी" भाग कर सकते हैं।

SHRI A. G. KULKARNI: No, no, Sir I want to ask a, b, c, d questions. I just wanted to check up whether it is a fact that the eligible families to whom the help was granted under these programmes are as large as 8 per cent. Similarly, the working capital required for the families which have been supported under this programme has been that the requirement was of 60 per cent families while 25 per cent families only got the assistance, what you call the working capital assistance. There are many other destitutes who were helped. Their percentage is 47 per cent and 50 per cent. But actually it has been under checking by your evaluation team and they have found it to be only 25 per cent. So, I want to know from the hon. Minister, this is a very important programme in this country which will create and generate employment in the rural areas, and for removing these leakages, involvement of the political workers at the grassroot level is required. When Pandit Jawaharlal Nehru had formulated these programmes and Mr. Dey was the Minister of Rural Developent, the involvement of the political workers was there. So, would the Minister please tell this House that instead of depending on the bureaucrats, you will depend on the honesty and the interest of the social workers in implementing this programme so that the leakages be removed?

श्री भजन लाल: सभापति महोदय, सुझाव तो इन्होंने बहुत अच्छा दिया है, इसमें कोई दो राय नहीं है। इसको हमने पूरा नोट कर लिया है। इस पर भी जरूर विचार करेंगे, लेकिन जहां तक इन्होंने रोजगार देने के बारे में कहा है, इस दफा बजट में 500 करोड़ रुपया अलग के एक्सट्रा दिया गया है ताकि देहात में जो बेरोजगार, पढ़े-लिखे नौजवान बेकार फिरते हैं, उनको रोजगार दिया जाए।

यही नहीं, इसके साथ-साथ हम यह भी चाहते हैं कि गांवों में, जो असली भारत की आत्मा है, उसका निवास गांव में है, 80 फीसदी आबादी देहात में बसती है। प्रधान मंत्री जी चाहते हैं कि हम लोगों के जो चुने हुए नुमाइंदे हैं, उनको कुछ ऐसी शक्ति दें जिससे लोगों की जो समस्या या तकलीफ है, उसको वह समझें और उसको दूर करने का प्रयास करें। उसके लिए हम साधन भी जुटायेंगे और उनको शक्ति देने की भी हम कोशिश करेंगे।